

राजस्व न्यायालय उपखण्ड अधिकारी मण्डावर जिला दौसा

मुकदमा संख्या
27/22

तारीख रजू
19.05.22

तारीख निर्णय
10.05.25

बउनवान

1. रमेश सिंह पुत्र श्यामस्वरूप सिंह
2. गोविन्द सिंह पुत्र श्यामस्वरूप सिंह
जाति राजपूत निवासी हिंगोटा तहसील बैजूपाडा जिला दौसा।

...वादीगण

बनाम

1. शेरसिंह पुत्र श्यामस्वरूप सिंह जाति राजपूत निवासी हिंगोटा तहसीलदार बैजूपाडा जिला दौसा, (राज.)।
2. राजकुमारी पुत्री श्यामस्वरूप सिंह जाति राजपूत निवासी हिंगोटा तहसीलदार बैजूपाडा जिला दौसा हाल निवासी 3/584 मुलतान नगर, अलवर नियर बाबई जे.एस फेयरहिल अलवर राज.
3. लैण्ड होल्डर तहसीलदार बैजूपाडा तहसील बैजूपाडा जिला दौसा।
4. उपपंजीयक बैजूपाडा तहसील बैजूपाडा जिला दौसा।

...प्रतिवादीगण


उपस्थित : 1.अभिभाषक वादीगण – श्री रामअवतार सिंह नरुका
2.प्रतिवादीगण –स्वयं।

**दावा बाबत घोषणा खातेदारी, तकास्मा एवं स्थाई निषेधाज्ञा अन्तर्गत धारा 88, 53, 188
राजस्थान काश्तकारी अधिनियम 1955**

निर्णय

आज पत्रावली राष्ट्रीय लोक अदालत कैम्प महवा में पेश हुई। वादीगण/प्रार्थीगण की ओर से प्रार्थना पत्र बाबत् विद्दो किये जाने वाद पत्र पेश किया। प्रार्थीगण एवं उनके वकील ने अवगत कराया कि उनवानी प्रकरण में हम पक्षकारान के मध्य लोक अदालत की भावना से प्रेरित होकर आपस में मिल बैठकर राजीनामा हो गया है। वादी एवं प्रतिवादी की बहिन राजकुमारी प्रतिवादी संख्या 02 जिनका राजस्व रिकार्ड में हिस्सा 1/2 निहित है, जो राजीखुशी अपने भाईयों को देना चाहती है एवं तहसीलदार साहब के यहां हक त्याग करने को तैयार है इसलिये तीनों भाई अपने नाम हक त्याग तहसीलदार बैजूपाडा के यहां करवा लिंगें। प्रार्थना पत्र राजीनामा के आधार पर वादपत्र को विद्दो के आधार पर खारिज फरमाने हेतु निवेदन किया है।

हमने वादीगण व उनके वकील को सुना एवं पत्रावली का अवलोकन किया। दावा अभी प्रारंभिक स्टेज पर है। दावा के प्रत्याहरण की अनुमति देने में कोई विधिक अडचन नहीं होने से प्रार्थना पत्र बाबत् किये जाने विद्दो दावा घोषणा खातेदारी, तकास्मा एवं स्थाई निषेधाज्ञा स्वीकार किया जाता है। दावा घोषणा खातेदारी, तकास्मा एवं स्थाई निषेधाज्ञा प्रकरण में

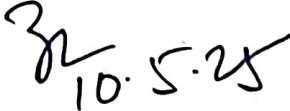

उपखण्ड अधिकारी
मण्डावर (दौसा)

राष्ट्रीय लोक अदालत कैम्प महवा
दावा संख्या 27/22
रमेश वगैरह बनाम शेरसिंह वगैरह
निर्णय दिनांक 10.05.25

राष्ट्रीय लोक अदालत की भावना से पक्षकारान के मध्य राजीनामा हो चुका है। इसलिये वादीगण आगे कोई कार्यवाही नहीं चाहते हैं। अतः दावा को इसी स्तर पर विद्धो के आधार पर खारिज किया जाता है। पत्रावली फैसल शुमार होकर नम्बर से कम की जाकर बाद तकमील दाखिल दपतर हो।

निर्णय राष्ट्रीय लोक अदालत कैम्प महवा सुनाया गया।


सदस्य
राजस्य अधिकारी
राष्ट्रीय लोक अदालत
बेंच महवा


न्यायिक अधिकारी
राष्ट्रीय लोक अदालत
बेंच महवा